St. Soldier college Co- education, Jalandhar

Program Outcomes (POs)

and

Course Outcomes (COs)

Department of HINDI

स्नातक हिन्दी विभाग

सेंट सोल्ज़र कालेज (को० एजूकेशन) में स्नातक (बी०ए०) में हिन्दी विषय (ऐच्छिक) कोर्स के रूप मे उपलब्ध हैं। स्नातक हिन्दी - विषय के outcome के स्तर निम्न हो सकते हैं:-

P01.भाषा की समृद्धि - हिन्दी विषय के अध्ययन से छात्रो की भाषा से कौशल में सुधार होता है।

P02. साहित्य की जानकारी - हिन्दी साहित्य के अध्ययन से छात्रो को साहित्य की विभिन्न विधाओं और शैलियो की समझ मिलती है।

P03. लेखन और वकृतात्व कौशल में सुधार हिन्दी विषय के अध्ययन से छात्रों की लेखन एवं वक्तृत्व कौशल में सुधार होता है

P04भारतीय संस्कृति और इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है।

P05. अवधारणाओं एवं विचारों का विकास : हिन्दी भाषा के माध्यम से संभव हो पाता है।

P06. अनुवाद और भाषांतर के ज्ञान की प्राप्ति: हिन्दी भाषा के माध्यम से होती है।

P07. हिन्दी व्याकरण का ज्ञान : हिन्दी विषय के माध्यम से छात्रो को हिन्दी व्याकरण का व्यवहारिक ज्ञान का बोध होता है।

<u>**B. A. Department Hindi (Elective)**</u>

स्नातक (बी०ए०) हिन्दी विषय (ऐच्छिक)

Course outcomes

बी. ए. Sem-I

पेपर - आधुनिक कविता, व्याकरण तथा अनुवाद

C01- छात्रों को अनुवाद लेखन की जानकारी

C02- छात्रों को व्याकरणिक सिद्धांतो की जानकारी

C03-छात्रों को हिन्दी साहित्य का परिचय

C04- छात्रों को कार्यलिपी हिन्दी का बोध

Sem-II

पेपर - गद्‌य साहित्य : सैद्धातिकी, व्याकरण तथा पत्रकारिता

COI- छात्रों को मोडिया लेखन में कौशल ज्ञान

C02- छात्रों को समकालीन साहित्य को जानकारी

C03 छात्रो को प्रशासनिक शब्दावली का बोध-

C04 गद्य साहित्य की विधाओं का सूक्ष्म ज्ञान

Sem-III

पेपर - मध्ययुगीन काव्य, इतिहास, व्याकरण तथा काव्यांग

COI - छात्रों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से अवगत करवाना

C02 - मध्यकालीन हिन्दी काव्य का मुख्य अध्ययन

C03 - छात्रों को हिन्दी व्याकरण का व्यवहारिक ज्ञान

C04 मध्यकालीन काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन

Sem-IV

पेपर -उपन्यास, नाटक : सैद्धांतिकी, व्याकरण तथा भक्तिकाल

C01- छात्रों को भक्तिकाल का समीक्षात्मक अध्ययन

C02 - गद्य की विद्याओ की शास्त्रीय समीक्षाy

C03- मुंशी प्रेमचंद के निर्मला' उपन्यास के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण निर्मित करना ।

C04- छात्रों को हिन्दी व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

Sem-V

पेपर - विशिष्ट कवि एवं काव्य सिद्धान्त, कामकाजी-हिन्दी तथा रीतिकाल

CO1- छात्रों को हिन्दी साहित्य विशेषकर रीतिकाल का सुबोध ज्ञान।

C02- भाषा का सूक्ष्म अध्ययन

C03 - कार्यालयी हिन्दी के प्रयोग की सूझबूझ का प्रतिपादन

C04- भारतीय संस्कृति एवं साहित्य से संबंधित विशिष्ट संदर्भों की ग्रहणता ।

Sem-VI

पेपर- भारतीय काव्यशास्त्र और प्रयोजनमूलक हिन्दी

COI - भाषा के विविध पहलुओं का सूक्ष्म अध्ययन

C02- छात्रों को राजभाषा हिन्दी के विविध पहलुओं का ज्ञान

CO3- कार्यलयी हिन्दी के विविध प्रकार्यों का आलोचनात्मक अध्ययन ।

C04-काव्य के शिल्प पक्ष की शास्त्रीय आलोचना

हिन्दी विषय के अध्ययन से निम्न क्षेत्रो में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं:-

1.शिक्षक/प्रोफैसर : विषय में एम.ए. या पी-एच.डी करने के उपरान्त स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय में शिक्षक या प्रोफैसर बन सकते हैं।

2. अनुवादक: हिंदी विषय में रुचि और कौशल का उपयोग करके अनुवादक बन विभिन्न संगठनों के लिए अनुवाद कार्य कर सकते हैं।

3.लेखक / संपादक : हिन्दी में क्षमता का उपयोग करके आप लेखक, संपादक बन सकते हैं।

4.पत्रकार: हिंदी भाषा को जानकारी से समाचार-पत्र, पत्रिका या आनलाइन मीडिया में काम कर सकते हैं।

5.विज्ञापन और,मार्केटिंग - के क्षेत्र में भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

6.सरकारी नौकरी : राजभाषा विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय आदि में सरकारी नौकरी मिल सकती है।

7.प्रकाशन और साहित्य : हिन्दी विषय से छात्र प्रकाशन और साहित्य में काम पर सकते हैं और विभिन्न प्रकाशनों के लिए काम कर सकते हैं।

8. शोध और अकादमिक: अमादिमक क्षेत्र में और शोध संस्थानों में कार्य किया जा सकता है।

9.हिन्दी टाइपिस्ट- हिन्दी टाइपिस्ट के क्षेत्र में भी रोजगार की काफी संभवाना है।